समापन भाषण

माननीय सदस्यगण,

पंचम झारखण्ड विधानसभा का तृतीय (मानसून) सत्र अब समापन की ओर है। कोविड-19 के संक्रमण काल में आहूत वर्तमान सत्र का हम सबों ने अधिकाधिक सदुपयोग किया है, तथापि मुझे यह कहने में संकोच नहीं है कि हम इसे और ज्यादा बेहतर तरीके से उपयोग कर सकते थे। संसदीय व्यवस्था में विरोध और असहमति का भी सार्थक उपयोग किया जा सकता है। कार्य-संचालन के प्रावधानों और संसदीय परम्पराओं के तहत् हम सभा में सार्थक चर्चा कर कार्यपालिका को विधायिका के प्रति और ज्यादा उत्तरदायी बनाने में सक्षम हो सकते हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि राज्य की जनता हमें उनकी समस्याओं के समाधान के लिए चुनती है और हमें उनके इस विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए।

तीन दिनों की कार्यावधि के लिए कुल 70 अल्पसूचित प्रश्न, 61 तारांकित प्रश्न एवं 29 अतारांकित प्रश्न स्वीकृत किए गए जिनमें 02 अल्पसूचित प्रश्नों के उत्तर सभा में दिए गए। शून्यकाल की 46 सूचनाएँ सभा में पढ़ी गईं। सभा में वक्तव्य हेतु 10 ध्यानाकर्षण सूचनाएँ स्वीकार की गईं।

गैर-सरकारी संकल्प की कुल 17 सूचनाएँ सभा में ली गईं। इस छोटे से सत्र में विनियोग विधेयक सहित कुल 9 विधेयक सभा में पेश किए गए और पारित हुए। महालेखाकार का अंकेक्षण प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा गया और हमें विश्वास है कि लोक लेखा समिति इस अंकेक्षण प्रतिवेदन में निहित कंडिकाओं पर सरकार के उत्तर प्राप्त कर उसका निष्पादन करेगी।

इस सत्र में विधानसभा की समितियों ने अपना प्रतिवेदन सभा पटल पर रखा है। मैं आशा करता हूँ कि इन प्रतिवेदनों में की गई अनुशंसाओं का क्रियान्वयन सरकार ससमय कर समिति को सूचित करेगी। इस सत्र में कई विभागों ने नियमावली की प्रतियाँ सभा पटल पर

पेश की हैं जिसकी विधानसभा की प्रत्यायुक्त विधान समिति समीक्षा करेगी और अपना प्रतिवेदन सभा के समक्ष रखेगी, ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

माननीय सदस्यगण, इस सत्र में कोविड-19 से उत्पन्न स्थिति पर सभा में विशेष चर्चा भी हुई। झारखण्ड जैसा छोटे राज्य के सामने यह बहुत बड़ी चुनौती है कि हम किस प्रकार अपने मानव संसाधनों का उपयोग कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करें और उनके सम्मानपूर्वक जीवन-यापन हेतु मार्ग प्रशस्त करें। इस दिशा में राज्य सरकार के प्रयास सराहनीय हैं।

इस सत्र के सफलतापूर्वक संचालन में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों तथा पुलिस सेवा के पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जिस प्रकार सहयोग किया है, इसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं। कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभा सचिवालय के पदाधिकारियों/कर्मियों से कार्य संचालन में जो सहयोग प्राप्त हुए हैं वह सराहनीय है।

माननीय सदस्यगण, आने वाला समय त्योहारों का समय है। दुर्गापूजा, दीपावली, छठ एवं मिलाद-उन-नबी पर्व का हम स्वागत करने हेतु तत्पर हैं। मैं माननीय सदस्यों के साथ-साथ राज्य की जनता से अनुरोध करना चाहूँगा कि वे कोविड-19 के दिशा-निर्देशों के तहत् ही मास्क पहन कर घर से निकलें और सामाजिक दूरी का पालन करें। यही हमारे लिए सुरक्षा कवच है। आने वाले त्योहारों के लिए मैं आप सबों को हार्दिक शुभकामना प्रकट करता हूँ।

इसके साथ ही सभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की घोषणा करता हूँ।